International Journal of Humanities and Social Science Research
www.socialsciencejournal.in
ISSN: 2455-2070
Received: 09-03-2025, Accepted: 08-04-2025, Published: 24-04-2025
Volume 11, Issue 2, 2025, Page No. 66-68

हायर सेकेण्डरी के विद्यार्थियों द्वारा कैरियर चुनाव में परिवार की भूमिका (सारंगढ़ तहसील के विशेष संदर्भ में)

माधुरी[1], विनय राज साहू[2]
[1] अतिथि व्याख्याता, समाजशास्त्र विभाग, शास. एल. पी. पाण्डेय महाविद्यालय, सारंगढ़, छत्तीसगढ़, भारत
[2] अतिथि व्याख्याता, समाजशास्त्र विभाग, बुढ़ान शाह जी शास. नवीन महाविद्यालय, तेन्दुकोना महासमुन्द, छत्तीसगढ़, भारत

सारांश
वर्तमान समय में लोगों को आरामदायक जीवन जीने की आदत बन गई है इसी वजह से व्यक्ति को आगे बढ़ाने में बहुत सी समस्याएं आती है। परिवार में व्यक्ति कई प्रकार से सोचता है अपनी सोच और विचार बच्चों के ऊपर देने लगते हैं। कभी कोई कहते हैं कि तुम्हें यह बनाना है, कभी कुछ बनना है तो बेचारा बच्चा सब की बातें सुन सुन कर परेशान होता है कि आखिर में अपना कैरियर चुनाव कैसे करूं। अपना सवाल और शक्ति के अनुसार उसे सोचना चाहिए कि वह कौन सा विषय लेकर अपना करियर का निर्माण कर सकता है। परिवार के लोगों को भी बच्चे का साथ देना चाहिए कि उसे कौन सा विषय लेकर पढ़ना है और क्या बनना है। सही विषय और सही कैरियर चुनाव करना एक बहुत बड़ी समस्या बन जाती है पर इसका निवारण किया जा सकता है सही विषय को चुनकर अपना करियर बना सकते हैं।

मूलशब्द: हायर सेकेण्डरी, कैरियर चुनाव, परिवार, शैक्षणिक उपलब्धि, मार्गदर्शन

कैरियर चुनाव को लेकर परिवार का योगदान प्रस्तावना बालक जन्म के पश्चात विद्या विकास की विभिन्न अवस्थाओं से गुजरा हुआ वह परिपक्व होता है, यह चयन विभिन्न पक्षियों जैसे शारीरिक, मानसिक, सामाजिक सुरक्षा से संबंधित होता है।
बालक का प्रारंभिक अवस्था में परिवार का आकार परिवार का वातावरण तथा बालक का परिवार में स्थान महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। शारीरिक एवं मानसिक चयन व्यक्ति के स्वयं के समायोजन की दृष्टि से अधिक महत्व माना जाता है।
कैरियर चुनाव को प्राप्त करने के लिए बालक की शैक्षिक रुचि के अनुसार विषय का चुनाव अत्यंत आवश्यक है, ताकि आगे भविष्य में सही कैरियर का चुनाव कर सके एवं जीवन में सफल हो सके।
बालक का मानसिक एवं शारीरिक विकास करना अत्यंत आवश्यक है, जिससे बालक स्वतंत्र रूप से अपने कैरियर का चयन कर सके। अतः यह कह सकते हैं, कि यह स्थिति तब है जब कोई व्यक्ति विशेष रूप से पाने की चेष्टा करें।

भारतीय पृष्ठभूमि के संबंधित अध्ययन

रवींद्रनाथ टैगोर के अनुसारः शिक्षक के हास्य मस्तिष्क को इस योग्य बनाना है, कि वह चिन शिवरतन सत्य को पहचान सके।
शिक्षा का अर्थ है, कि मस्तिष्क को इस योग्य बनना चाहिए कि अपना निर्णय स्वयं ले सके और कैरियर का चुनाव करें।

कौटिल्य के अनुसारः शिक्षा का अर्थ है, देश के लिए परीक्षण तथा राष्ट्र के लिए प्रेम शिक्षा के द्वारा हम अति उत्तम योग्य परीक्षण भी ले सकते हैं और अपने आप का सक्षम बना सकते हैं।

अरविंद के अनुसारः शिक्षा का अभिप्राय व्यक्ति की आंतरिक शक्तियों का विकास है, शिक्षा का स्तर उच्च होने के लिए कोई भी व्यक्ति की शक्ति और अपने विश चुनाव को लेकर निर्णय ले सकता है।

विदेशी पृष्ठभूमि का अध्ययन

मैकेंजी के शब्दों में: व्यापक अर्थ में शिक्षक ऐसी प्रक्रिया है जो जीवन भर पर्यंत चलती रहती है तथा जीवन के प्रत्येक अनुभव से शिक्षा में वृद्धि होती हैं।

एस्ट्रोलॉजी के अनुसारः शिक्षा मनुष्य की शक्तियां तथा संभावित संपूर्ण तथा प्रगतिशील विकास है। शिक्षा का विकास होने यानी कि परिवार और बच्चों का विकास होना।

स्पेंसर के अनुसारः शिक्षा पूर्ण जीवन है शिक्षा ही पूर्ण जीवन माना जाता है क्योंकि शिक्षा के द्वारा हम अपने कैरियर और अपने आप जीवन में भी बदलाव ला सकते हैं।

परिकल्पना की समग्र समीक्षा व्याख्या

समस्याः वर्तमान समय में लोगों को आरामदायक जीवन जीने की आदत बन गई है इसी वजह से व्यक्ति को आगे बढ़ाने में बहुत सी समस्याएं आती है। परिवार में व्यक्ति कई प्रकार से सोचता है अपनी सोच और विचार बच्चों के ऊपर देने लगते हैं। कभी कोई कहते हैं कि तुम्हें यह बनाना है, कभी कुछ बनना है तो बेचारा बच्चा सब की बातें सुन सुन कर परेशान होता है कि आखिर में अपना कैरियर चुनाव कैसे करूं। अपना सवाल और शक्ति के अनुसार उसे सोचना चाहिए कि वह कौन सा विषय लेकर अपना करियर का निर्माण कर सकता है। परिवार के लोगों को भी बच्चे का साथ देना चाहिए कि उसे कौन सा विषय लेकर पढ़ना है और क्या बनना है। सही विषय और सही कैरियर चुनाव करना एक बहुत बड़ी समस्या बन जाती है पर इसका निवारण किया जा सकता है सही विषय को चुनकर अपना कैरियर बना सकते हैं।
प्रस्तुत अध्ययन हायर सेकेण्डरी के विद्यार्थियों द्वारा कैरियर चुनाव में परिवार की भूमिका (सारंगढ़ तहसील के विशेष संदर्भ में) इसी समस्या से संबंधित अध्ययन है।

अध्ययन क्षेत्र एवं अध्ययन के उद्देश्य

प्रस्तुत अध्ययन का क्षेत्र छत्तीसगढ़ राज्य के नवगठित सारंगढ़–बिलाईगढ़ जिले के सारंगढ़ तहसील है। प्रस्तुत अध्ययन निम्नलिखित उद्देश्य पर आधारित है –

1. हायर सेकेण्डरी के विद्यार्थियों का कैरियर चुनाव को लेकर परिवार का योगदान।
2. शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा कैरियर चुनाव को लेकर परिवार का योगदान का अध्ययन ।

3. अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा कैरियर चुनाव को लेकर परिवार का योगदान का अध्ययन अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थी द्वारा कैरियर चुनाव को लेकर परिवार का योगदान।
4. शासकीय और अशासकीय विद्यालय की हाथों द्वारा कैरियर चुनाव में परिवार के प्रभाव का अध्ययन ।

अध्ययन की परिसीमा

प्रस्तुत शोध में कैरियर चुनाव का मापन किया गया है तथा परिसीमा को ध्यान यह अध्ययन पूर्ण किया गया है और इसकी परिसीमाए निम्नलिखित है–

1. प्रस्तुत शोध अध्ययन हेतु केवल सारंगढ़ तहसील के अंतर्गत आने वाले हायर सेकेण्डरी के छात्रों का चयन किया गया है।
2. इस अध्ययन हेतु सभी हायर सेकेण्डरी के विद्यार्थियों का चयन किया गया है।
3. इस अध्ययन हेतु चार शासकीय तथा चार अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों का चयन किया गया है।
4. इस अध्ययन हेतु 100 विद्यार्थियों का चयन किया गया है इनमें से 50 शासकीय विद्यालय तथा 50 अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थी में से 25 छात्र एवं 25 छात्र को शामिल किया गया।

न्यादर्श

समस्या के समाधान हेतु सारंगढ़–बिलाईगढ़ जिले के सारंगढ़ तहसील के हायर सेकेण्डरी विद्यालयों में से चार भासकीय एवं चार अ ासकीय विद्यालयों में अध्ययनरत् छात्र–छात्राओं का चयन अध्ययन हेतु चयन किया गया है। प्रस्तुत अध्ययन में न्याद र्श का चुनाव वर्गीकृत दैव निद र्शन के आधार पर किया गया है।

उपकरण

प्रस्तुत अध्ययन के लिए संबंधित सभी आंकड़ों को एग्जिट करने हेतु आलिया अकबर द्वारा निर्मित होम एनवायरमेंट स्केल एवं डॉक्टर शॉल बाला सक्सेना का प्रयोग किया गया है।

परिकल्पना

H_0: हायर सेकेण्डरी कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा कैरियर चुनाव में पारिवारिक कार्य के प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

परिणामः सार्थक अंतर नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_{0_1}: शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा कैरियर चुनाव में पारिवारिक कारणों के प्रभाव में कोइ सार्थक अंतर्गत नहीं पाया जाएगा।

परिणाम – सार्थक अंतर नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत हाती है।

H_{0_2}: अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा कैरियर प्रभाव में पारिवारिक कार्यक्रमों के प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

परिणाम – सार्थक अंतर नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है।

H_{0_3}: शासकीय एवं अशासकीय विद्यालय के छात्रों द्वारा कैरियर चुनाव में पारिवारिक कार्यक्रमों के प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं है।

परिणाम – सार्थक अंतर नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना स्वीकृत होती है।

शैक्षिक उपयता

सुझाव

शिक्षक के लिए

कैरियर चयन का शैक्षिक उपलब्धि पर प्रभाव पड़ता है अतः शिक्षण का पाठ्यक्रम ऐसा होना चाहिए कि विद्यार्थियों के कैरियर चुनाव को लेकर कोई परेशानी ना हो।

शिक्षकों के लिए

1. हायर सेकेण्डरी स्तर से ही कैरियर चुनाव के लिए सबसे अधिक महत्वपूर्ण है।
2. विद्यार्थी की रुचि के अनुसार ही विषय का चुनाव करना चाहिए।
3. विद्यालय को भी कैरियर चुनाव को लेकर मार्गदर्शन करना चाहिए शिक्षक का भी सबसे बड़ा योगदान होता है।
4. विषय चुनाव को लेकर हमें ऐसा वातावरण का निर्माण करना चाहिए की बच्चे अपना कैरियर चुनाव करें।

अभिभावक के लिए

1. अभिभावक को पहले बच्चों की रुचि का ध्यान रखना चाहिए।
2. हर हाल में बच्चों को अच्छा वातावरण देना चाहिए।
3. बच्चों के विषय चुनाव में मदद करना चाहिए।

विद्यार्थियों के लिए –

1. विद्यार्थिया को शिक्षक द्वारा बताए गए मार्ग पर चलने का प्रयास करना चाहिए।
2. समय–समय पर मार्गदर्शन हेतु अपने से बड़ों का सलाह लेना चाहिए।
3. करियर चुनाव करते समय मन और दिमाग शांत होकर करना चाहिए।
4. माता–पिता शिक्षक का सम्मान करना चाहिए।
5. आलस अनुशासनहीनता सत्य को त्याग कर सोचना चाहिए।

हायर सेकेण्डरी की विद्यार्थियों द्वारा कैरियर चुनाव में पारिवारिक कारकों के प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा कैरियर चुनाव में पारिवारिक कारकों के प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

शासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा कैरियर चुनाव के प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं पाए जाएंगे।

शासकीय और अशासकीय विद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा कैरियर चुनाव में पारिवारिक के प्रभाव में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया जाएगा।

अनुकरणीय अध्ययन

चयन की समस्या के आधार पर निम्नलिखित क्षेत्रों में अध्ययन किया जा सकता है

1. ग्रामीण शहरी क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए कैरियर चयन का तुलनात्मक अध्ययन।
2. अनुसूचित जाति और सामान्य जाति क विद्यार्थियों को कैरियर चुनाव।
3. आर्थिक और सामाजिक स्तर पर विद्यार्थियों को चुनाव कैरियर चुनाव।
4. महाविद्यालय स्तर पर कैरियर चुनाव।
5. प्रतिभाशाली बच्चों का कैरियर चुनाव।

6. पारिवारिक वातावरण के आधार पर करियर चुनाव।
7. विद्यालय के आधार पर और वातावरण के आधार पर चुनाव।
8. शारीरिक विकास पर चुनाव कमजोर बच्चों का कार्य चुनाव।
9. कमजोर बच्चों को कैरियर चुनाव।

निष्कर्ष

व्यक्ति को आगे बढ़ाने में बहुत सी समस्याएं आती है। परिवार में व्यक्ति कई प्रकार से सोचता है अपनी सोच और विचार बच्चों के ऊपर देने लगते हैं। कभी कोई कहते हैं कि तुम्हें यह बनाना है, कभी कुछ बनना है तो बेचारा बच्चा सब की बातें सुन सुन कर परेशान होता है कि आखिर में अपना कैरियर चुनाव कैसे करूं। अपना सवाल और शक्ति के अनुसार उसे सोचना चाहिए कि वह कौन सा विषय लेकर अपना करियर का निर्माण कर सकता है। परिवार के लोगों को भी बच्चे का साथ देना चाहिए कि उसे कौन सा विषय लेकर पढ़ना है और क्या बनना है। सही विषय और सही कैरियर चुनाव करना एक बहुत बड़ी समस्या बन जाती है पर इसका निवारण किया जा सकता है सही विषय को चुनकर अपना करियर बना सकते हैं।

संदर्भ ग्रंथ सूची

1. Kaur Dr. Parvindrhrjeet (2014) उच्चतर माध्यमिक शाला के विद्यार्थियों के कैरियर कांक्षा को प्रभावित करने वाले कारकों का अध्ययन Unpublished thesis pt- ravishankar shukla university Raipur India
2. ओबेराय एस.सी. (2007) – कैरियर निर्देशन एवं करे सूचना. इंटरनेशनल हाउस
3. Dillon upma and kaur rajindhar ¼2005½ & career maturity of school children] journal of Indian academy of applied psychology.
4. शर्मा. आर. ए. (2008) – शिक्षा अनुसंधान आर. लाल. बुक डिपो page no- 154]161
5. राव और पापा (2010) – कैरियर निर्देशन में कैरियर सूचना, सुक्रिय प्रकाशन भिलाई
6. Tom frik dhbwad (2008) The structural validity of daidalos A measure of career maturity scandionavian.